

SATELLITE UPDATE - AN OVERVIEW

The satellites used for broadcasting television are usually hovering above us in a geostationary orbit 37,000 km (23,000 mi) above the earth's equator. This article provides an overview of some of the leading satellites across the globe.

INTELSAT-38/AZERSPACE2 AT 45.1 DEG EAST

Intelsat and Azercosmos OJSCo. announced in February 2015, that the two companies signed a strategic agreement at the 45° East orbital position. The two companies closely collaborated on the design of the Azerspace-2/Intelsat 38 satellite and leveraged their respective strengths and capabilities during the manufacturing and operational phases of development.

The satellite provided continuity of service for the Intelsat 12 satellite currently stationed at 45° East, an orbital location which hosts Direct-to-Home (DTH) platforms and provides connectivity for corporate network services in Africa. The new Intelsat 38 satellite will also provide services across Central and Eastern Europe, Asia and Africa.

For Azercosmos, the new satellite offers enhanced capacity, coverage and service offerings to support the growing demands in the region for DTH, government and network services currently supported by Azerspace-1.

Azerspace-2/Intelsat 38 was launched in 2018.

AMOS 4 AT 65 DEG EAST

Amos-4 is an Israeli commercial communication satellite, part of the AMOS series of satellites.

The satellite is positioned at the 65° E longitude in the geostationary belt. It lifted off on 31 August 2013, 20:05 UTC from Baikonur, Kazakhstan. Transmission and communication services given by this satellite include direct distribution of TV and radio



सैटेलाइट अपडेट - एक अवलोकन

टेलीविजन के प्रसारण के लिए उपयोग किये जाने वाले सैटेलाइट आमतौर पर पृथ्वी के भूमध्यरेखा से 37,000 किलोमीटर (23000 मील) ऊपर एक भू-स्थैतिक कक्षा में हमारे ऊपर मंडराता रहता है। यह लेख दुनियाभर के कुछ प्रमुख सैटेलाइटों का अवलोकन प्रदान करता है।

45 डिग्री पूर्व पर इंटेल्सैट-38/एजेरस्पेस 2

इंटेल्सैट और एजेरकोस्मोस ओजेएससीओ ने फरवरी 2015 में घोषणा की कि दोनों कंपनियों ने 45 डिग्री पूर्व की कक्षीय स्थिति में एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। दोनों कंपनियों ने अजेरस्पेस-2/इंटेल्सैट-38 सैटेलाइट के डिजाइन पर नजदीकी सहयोग किया है और विकास के निर्माण व परिचालन चरणों के दौरान अपनी संबंधित शक्तियों व क्षमताओं का लाभ उठाया है।

सैटेलाइट ने वर्तमान में 45 डिग्री पूर्व में स्थित इंटेल्सैट 12 सैटेलाइट के लिए सेवा की निरंतरता प्रदान की, एक ऐसी कक्षीय स्थान जो डॉयरेक्ट टू होम (डीटीएच) प्लेटफॉर्मों को होस्ट करता है और अफ्रीका में कॉर्पोरेट नेटवर्क सेवाओं के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करता है। नया इंटरसेट 38 सैटेलाइट मध्य व पूर्वी यूरोप, एशिया व अफ्रीका में भी सेवाएं प्रदान करेगा।

एजेरकोस्मोस के लिए नया सैटेलाइट डीटीएच, सरकार व नेटवर्क सेवाओं के लिए क्षेत्र में बढ़ती मांगों का समर्थन करने के लिए वर्तमान में अजरस्पेस-1 द्वारा समर्थित क्षमता, कवरेज और सेवा प्रदान करता है।

2018 में अजरस्पेस-2/इंटेल्सैट-38 लॉन्च किया गया।

65 डिग्री पूर्व पर एमोस-4

एमोस-4 एक इजरायली वाणिज्यिक संचार सैटेलाइट है जो सैटेलाइटों के एमोस श्रृंखला का हिस्सा है।

सैटेलाइट को 65 डिग्री पूर्व के देशांतर पर स्थापित किया गया है। इसे 31 अगस्त 2013 को 20:05 यूटीसी को बैकानुर, कजाकिस्तान से छोड़ा गया था। इस सैटेलाइट द्वारा दी गयी सेवाओं में ट्रांसमिशन और संचार सेवाओं में टीवी और

MARKET: SATELLITE

translations, TV and radio translations to communication centres, distribution of internet services and data transmissions to communication networks. It offers coverage across Southeast Asia along with high power coverage beams offering communication links from East Asia to the Middle East.

INTELSAT 17

Intelsat 17 is a powerful, state-of-the-art, C- and Ku-band spacecraft for Fixed Satellite Services (FSS). The spacecraft was launched in November 2010 and is located at 66 degrees East, where it replaces Intelsat 704. Based on the SSL 1300 satellite platform, which provides the flexibility for a broad range of applications, Intelsat 17 is designed to provide service for 15 years or more.

Intelsat 17 combines heritage, space-proven building blocks, and some of the world's most advanced technologies.

Intelsat Corporation has awarded in August 2008 a contract to Space Systems/Loral (SS/L) to manufacture Intelsat 17 (IS-17), a new, high-power C- and Ku-band fixed satellite service (FSS) satellite.

Intelsat 17 will replace Intelsat-702 at 66° E.

INTELSAT 20 / 36 AT 68.50 DEG E

Space Systems/Loral announced in June 2009 that it has been awarded a contract to provide two new satellites to Intelsat, the leading provider of Fixed Satellite Services (FSS) worldwide. The two satellites, Intelsat 19 and Intelsat 20, are among the most powerful FSS satellites ever built with unprecedented capacity to provide services for broadband, video, and voice applications.

Intelsat 19 and Intelsat 20 replaced existing satellites that provided services to five continents and offered services for broadcast television and telecommunications. The satellites also had the capacity to support mobile communications and higher data rate network services.

रेडियो अनुवादों का सीधा वितरण, संचार केंद्रों को टीवी व रेडियो अनुवाद, इंटरनेट सेवाओं का वितरण और संचार नेटवर्क के लिए डेटा प्रसारण शामिल है। यह दक्षिण पूर्व एशिया के साथ-साथ उच्च शक्ति कवरेज बीम के साथ पूर्वी एशिया से मध्य पूर्व तक संचार लिंक प्रदान करता है।

इंटैलसेट-17

इंटैलसेट-17 फिक्स्ड सैटेलाइट सर्विसेज (एफएसएस) के लिए एक शक्तिशाली, अत्याधुनिक, सी व केयू बैंड अंतरिक्ष यान है। अंतरिक्ष यान नवंबर 2010 में लॉन्च किया गया था और यह 66 डिग्री पूर्व में स्थित है, जहां यह इंटैलसेट-704 का स्थान लेता है। एएसएलसी 1300 सैटेलाइट प्लेटफॉर्म के आधार पर, जो आवेदनों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए लचीलापन प्रदान करता है, इंटैलसेट 17 को 15 साल या उससे अधिक के लिए सेवा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इंटैलसेट-17 विरासत, अंतरिक्ष सिद्ध विल्डिंग ब्लॉकों और दुनिया की कुछ सबसे उन्नत

तकनीकियों को जोड़ती है। इंटैलसेट कॉरपोरेशन ने अगस्त 2008 में इंटैलसेट 17 (आई-17), एक नया, उच्च शक्ति सी और केयू बैंड फिक्स्ड सैटेलाइट सेवा (एफएसएस) सैटेलाइट के निर्माण के लिए स्पेस सिस्टम्स / लोरल (एसएस/एल) को अनुबंध दिया था।

इंटैलसेट 17, इंटैलसेट-702 की जगह 66 डिग्री पूर्व पर स्थित है।

68.50 डिग्री पूर्व पर इंटैलसेट 20/36

स्पेस सिस्टम्स/लोरल ने जून 2009 में घोषणा की कि उसे दुनियाभर में फिक्स्ड सैटेलाइट सर्विसेज (एफएसएस) के अग्रणी प्रदाता इंटैलसेट को दो नये सैटेलाइट प्रदान करने के लिए अनुबंध प्रदान किया था। दो सैटेलाइट इंटैलसेट 19 व इंटैलसेट 20 सबसे शक्तिशाली एफएसएस सैटेलाइटों में से एक है जो ब्रॉडबैंड, वीडियो व वॉयस एप्लिकेशन के लिए सेवायें प्रदान करने की अभूतपूर्व क्षमता के साथ निर्मित है। इंटैलसेट 19 व इंटैलसेट 20 ने मौजूदा सैटेलाइटों का स्थान लिया जो पांच महाद्वीपों

में सेवायें प्रदान करते थे और प्रसारण टेलीविजन और दूरसंचार के लिए सेवायें प्रदान करते थे। सैटेलाइटों में मोबाइल संचार और उच्च डेटा दर नेटवर्क सेवाओं का समर्थन करने की क्षमता भी थी। इंटैलसेट 20, 37 वां



Intelsat 20 is the 37th satellite that Space Systems/Loral which provided to Intelsat and was launched in 2012. The Intelsat 20 satellite replaced the Intelsat 7 and Intelsat 10 satellites, which are co-located at 68.5 degrees East longitude. The new satellite's C- and Ku-band payload is optimized for high-power distribution of video, voice and data network services.

Both satellites are built on the SSL-1300 satellite platform, which provides the flexibility for a broad range of applications. They are designed to provide service for at least 18 years.

Intelsat 36 is a geostationary communications satellite to provide media and content distribution services in Africa and South Asia.

Space Systems/Loral announced in August 2014 that it has been awarded a contract to provide a new satellite to Intelsat. The satellite is built on the SSL-1300 platform and carries a C- and Ku-band communications payload.

The satellite is co-located with Intelsat 20 over the Indian Ocean at 68.5° East to provide both Ku- and C-band services, with MultiChoice, Africa's leading pay TV provider, utilizing the Ku-band payload. The C-band payload will provide video services to other customers who distribute content to South Asian cable communities.

GSAT-11/GSAT-18

Indian Space Research Organisation's (ISRO) heaviest and most-advanced high throughput communication satellite GSAT-11 was successfully launched from the Spaceport in French Guiana.

The launch vehicle Ariane 5 VA-246 lifted off from Kourou Launch Base, French Guiana at 02:07 am (IST) carrying India's GSAT-11 and South Korea's GEO-KOMPSAT-2A satellites, as scheduled. Ariane 5 is one of three launch vehicles operated by Arianespace along with Soyuz and Vega.

The 5854-kg GSAT-11 provided high data rate connectivity to users of Indian mainland and islands through 32 user beams in Ku-band and 8 hub beams in Ka-band.

GSAT-18 is an Indian communications satellite. Built by ISRO and operated by INSAT, it carries 24 C-band, 12 extended C-band, and 12 Ku-band transponders.

The satellite was launched on 5 October 2016 at approximately 20:30 UTC aboard an Ariane 5 ECA rocket

सैटेलाइट है जो स्पेस सिस्टम/लोरल है जो इंटरलसैट को प्रदान किया गया था और इसे 2012 में लॉन्च किया गया था। इंटरलसैट 20 सैटेलाइट ने इंटरलसैट 7 और इंटरलसैट 10 सैटेलाइटों का स्थान लिया, जो 68.5 डिग्री पूर्व देशांतर पर सह-स्थित है। इस सैटेलाइट का सी व केयू बैंड पेलोड, वीडियो व ऑडियो व डेटा नेटवर्क सेवाओं के उच्च शक्ति वितरण के लिए अनुसूचित है।

दोनों सैटेलाइट एसएसएल-1300 सैटेलाइट प्लेटफॉर्म पर निर्मित है जो आवेदनों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए लचीलापन प्रदान करता है। यह कम से कम 18 वर्षों के लिए सेवा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इंटरलसैट 36 अफ्रीका व दक्षिण एशिया में मीडिया और सामग्री वितरण सेवाओं प्रदान करने के लिए एक भूस्थिर संचार सैटेलाइट है।

स्पेस सिस्टम/ लोरल ने अगस्त 2014 में घोषणा की कि उसे इंटरलसैट को एक नया सैटेलाइट प्रदान करने के लिए एक अनुबंध प्रदान किया गया था। सैटेलाइट एसएसएल -1300 प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है और इसमें सी व केयू बैंड संचार पेलोड है।

यह सैटेलाइट 68.5 डिग्री पूर्व में हिंद महासागर में इंटरलसैट-20 के साथ सह-स्थित है जो कि केयू बैंड पेलोड का उपयोग करते हुए अफ्रीका के प्रमुख पे टीवी प्रदाता मल्टीओवर के साथ केयू बैंड व सी बैंड दोनों सेवाओं प्रदान करता है। सी बैंड पे लोड अन्य ग्राहकों को वीडियो सेवा प्रदान करेगा जो दक्षिण एशियाई केवल समुदायों को सामग्री वितरित करते हैं।

74 डिग्री पूर्व पर जीसैट-11/जीसैट-18

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सबसे भारी और आधुनिकतम उच्च थ्रुपुट संचार सैटेलाइट जीसैट-11 को फ्रेंच गुयाना के स्पेसपोर्ट से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।

लॉन्च वाहन एरियन 5वीए-246 को कौरौ लॉन्च बेस, फ्रेंच गुयाना से 02:07 बजे (आईएसटी) छोड़ा गया, जो भारत के जीसैट-11 और दक्षिण कोरिया के जियो-कॉम्पसैट-2ए सैटेलाइटों को निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक ले गया। एरियन-5 द्वारा एरियनस्पेस द्वारा संचालित तीन लॉन्च वाहनों में से एक एरियन-5 है।

5458 किलोग्राम वाले जीसैट-11 ने केयू बैंड में 32 उपयोगकर्ता बीम और के-बैंड में 8 हब बीम के माध्यम से भारतीय मुख्य भूमि

और द्वीपों के उपयोगकर्ताओं को उच्च डेटा दर कनेक्टिविटी प्रदान की।

जीसैट-18 एक भारतीय संचार सैटेलाइट है। इसरो द्वारा निर्मित और इनसैट द्वारा संचालित यह 24 सी बैंड, 12 विस्तारित सी-बैंड और केयू बैंड ट्रांसपोंडर उपलब्ध कराता है।

5 अक्टूबर 2016 को फ्रेंच गुयाना के कौरौ में गुयाना स्पेस सेंटर से एरियन 5 ईसीए रॉकेट की सहायता से लगभग 20:30 यूटीसी बजे



from the Guiana Space Centre in Kourou, French Guiana. The launch vehicle inserted the satellite into a geosynchronous transfer orbit, and once in service it will occupy the orbital slot at 74° East longitude. The total cost of the satellite and launch services was about US\$153 million.

GSAT-18 was originally scheduled to launch on 12 July 2016 alongside Japan's Superbird-8 satellite, but a shipping mishap which damaged Superbird-8 forced a delay in the launch schedule. Arianespace later paired GSAT-18 with Australia's Sky Muster II for a 4 October 2016 launch. The launch was delayed 24 hours to 5 October due to excessively high crosswinds at the launch site.

ABS 2 AT 75 DEG

Launched in February 2014, ABS-2 is a Space Systems/Loral FS 1300 satellite that brings substantial new capacity to the prime location at 75°E, and serves four continents.

The satellite features six dedicated high-powered Ku-band beams for DTH services in the Eastern Hemisphere and offers multiple options for Ku-band connectivity. In addition, ABS-2 is equipped with industry leading, high-powered C-band beams for connectivity requirements in Africa and South East Asia. The Ka-band beam targets the MENA region and offers cost effective solutions for commercial and military applications.

APSTAR 7 AT 76.5 DEG

Apstar-7 is a Chinese communications satellite which is operated by APT Satellite as part of the Apstar system. It was launched in 2012 as a replacement for the Apstar 2R satellite launched in 1997.

APSTAR 7 provides reliable broadcasting and telecommunications services over the Asia Pacific Region, Africa, Middle East and a part of Europe.

Based on Thales Alenia Space's Spacebus 4000 C2 platform, APSTAR 7 is equipped with 28 C-band and 28 Ku-band active transponders. With electrical power of 11.4 kW and payload power of 8.4 kW, the satellite is expected to have a minimum of 15 years lifetime.

सैटेलाइट को लॉन्च किया गया था। प्रक्षेपण यान ने सैटेलाइट को भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा में डाला और सेवा शुरू करने के बाद यह 74 डिग्री पूर्व देशांतर पर कक्षीय स्लॉट पर संचालन कर रहा है। सैटेलाइन व प्रक्षेपण सेवाओं की कुल लागत लगभग 153 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी।

जीसैट-18 मूलरूप से जापान के सुपरबर्ड-8 सैटेलाइट के साथ 12 जुलाई 2016 को लॉन्च होने वाला था, लेकिन सुपरबर्ड-8 को नुकसान पहुंचाने वाले एक शिपिंग हादसे ने लॉन्च के कार्यक्रम में फेरबदल किया। एरियनस्पेस ने बाद में 4 अक्टूबर 2016 को लॉन्च के लिए जीसैट-18 को ऑस्ट्रेलिया के स्काई मास्टर II के साथ छोड़ा गया। प्रक्षेपण स्थल पर अत्यधिक उच्च कोटि के जीवों के कारण प्रक्षेपण में 24 घंटे की देरी हुई और इसे 5 अक्टूबर को लॉन्च किया गया।

75 डिग्री पूर्व पर एबीएस 2

फरवरी 2014 में लॉन्च किया गया एबीएस 2 एक स्पेस सिस्टम/लोरल एफएस 1300 सैटेलाइट है जो 75 डिग्री पूर्व के प्रमुख स्थान पर पर्याप्त नयी क्षमता प्रस्तुत करता है और चार महाद्वीपों की सेवा करता है।

सैटेलाइट में पूर्वी गोलार्ध में डीटीएच सेवाओं के लिए छह समर्पित उच्च शक्ति वाले केयू बैंड बीम हैं और केयू बैंड कनेक्टिविटी के लिए कई विकल्प प्रदान करता है। इसके अलावा एबीएस-2 उद्योग की अग्रणी, अफ्रीका व दक्षिण पूर्व एशिया में कनेक्टिविटी आवश्यकताओं के लिए उच्च क्षमता वाले सी बैंड बीम से सुसज्जित है। का बैंड बीम मीना (MENA) क्षेत्र को लक्षित करता है और वाणिज्यिक व सैन्य आवेदनों के लिए लागत प्रभावी समाधान प्रदान करता है।

76.5 डिग्री पूर्व पर ऐपस्टार-7

ऐपस्टार-7 एक चीनी संचार सैटेलाइट है जो एपीटी सैटेलाइट द्वारा ऐपस्टार प्रणाली के भाग के रूप में संचालित होता है। इसे 2012 में 1997 में लॉन्च किये गये ऐपस्टार 2 आर सैटेलाइट का स्थान लेने के लिए लॉन्च किया गया था।

ऐपस्टार 7 एशिया प्रशांत क्षेत्र, अफ्रीका, मध्यपूर्व व यूरोप के हिस्से में विश्वनीय प्रसारण और दूरसंचार सेवायें प्रदान करता है।

थेलस एलेनिया स्पेस के स्पेसबस 4000 सी2 प्लेटफॉर्म पर आधारित ऐपस्टार-7 में 28 सी बैंड व 28 केयू बैंड सक्रिय ट्रांसपॉंडर उपलब्ध है। 11.4 किलोवाट की विद्युत शक्ति व 8.4 किलोवाट की पेलोड

शक्ति के साथ सैटेलाइट का जीवनकाल न्यूनतम 15 वर्ष होने की उम्मीद है।



APSTAR 7 is the second satellite ordered from Thales Alenia Space by APT, and the fifth* satellite ordered by China.

Thales Alenia Space built Apstar-7 as an ITAR-free satellite, containing no restricted American components.

GSAT 10/GSAT 30 AT 83 DEG

GSAT-10 is an Indian communication satellite which was launched by Ariane-5ECA carrier rocket in September 2012. It has 12 KU Band, 12 C Band and 6 lower extended c band transponders, and included a navigation payload to augment GAGAN capacity. Following its launch and on-orbit testing, it was placed in Geosynchronous orbit at 83.0° East, from where it will provide communication services in India.

GSAT-10, with a design life of 15 years was operational by November 2012 and will augment telecommunication, Direct-To-Home and radio navigation services. At 3,400 kg at lift-off, at the time, it was the heaviest satellite built by the Bangalore-headquartered Indian Space Research Organisation (ISRO). It was ISRO's 101st space mission. Arianespace's heavy lifting Ariane-5 ECA rocket launched the satellite about 30 minutes after the blast off from the European launch pad in South America at 2.48 am, prior to which it injected European co-passenger ASTRA 2F into orbit. GSAT-10 carries 30 transponders (12 Ku-band, 12 C-band and six Extended C-Band), which will provide vital augmentation to INSAT/GSAT transponder capacity. The GAGAN payload will provide improved accuracy of GPS signals (of better than seven metres which will be used by Airports Authority of India for civil aviation requirements. This is the second satellite in INSAT/GSAT constellation with GAGAN payload after GSAT-8, which was launched in May 2011.

GSAT-30 is a telecommunications satellite developed by the Indian Space Research Organisation (ISRO).

The satellite's main communication payload is 12 Ku band transponders for covering Indian mainland and islands and 12 C-band transponders for extended coverage over Asia and Australia. The satellite will act as a replacement for the defunct INSAT-4A. The satellite provides advanced telecommunication services to the Indian

एपस्टार 7, एपीटी थैल्स एलेनिया स्पेस से आर्डर किया गया दूसरा सैटेलाइट है और चीन से आर्डर किया गया 5 वां सैटेलाइट है।

थैल्स एलेनिया स्पेस ने एपस्टार-7 को आईटीएआर मुक्त सैटेलाइट के रूप में बनाया है, जिसमें कोई प्रतिबंधित अमेरिकी घटक नहीं थे।

83 डिग्री पूर्व पर जीसैट-10/जीसैट-30

जीसैट-10 एक भारतीय संचार सैटेलाइट है जिसे सितंबर 2012 में एरियन-5 ईसीए वाहक रॉकेट द्वारा लॉन्च किया गया था। इसमें 12 केयू बैंड, 12 सी बैंड और 6 लोअर एक्सटेंडेड सी बैंड ट्रांसपोंडर हैं, और गगन क्षमता बढ़ाने के लिए एक नेविगेशन पेलोड शामिल है, इसके प्रक्षेपण और परिक्रमा परिक्षण के बाद इसे 83 डिग्री पूर्व में जियोसिंक्रोनस कक्षा में रखा गया, जहां से यह भारत के लिए सेवायें प्रदान कर रहा है।

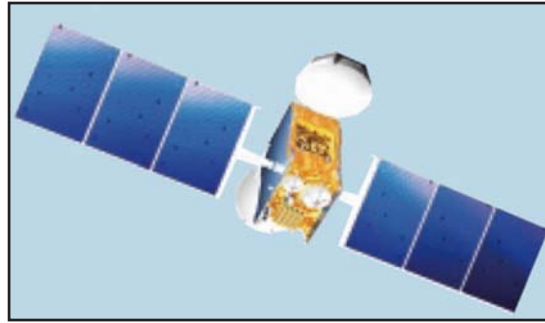
जीसैट-10, 15 साल के डिजाइन जीवनकाल के साथ 2012 में लॉन्च किया गया और इसका इस्तेमाल दूरसंचार, डॉयरेक्ट टू होम (डीटीएच)

और रेडियो नेविगेशन सेवाओं में बढ़ोतरी के लिए किया गया है। लिफ्ट ऑफ के समय 3400 किलोग्राम वजन वाला यह सैटेलाइट उस समय इसरो द्वारा बनाया गया सबसे भारी सैटेलाइट था। यह इसरो का 101 वां अंतरिक्ष मिशन था। एरियनस्पेस के भारी उठाने वाले एरियन-5ईसीए रॉकेट ने दक्षिण अमेरिका में यूरोपीयन प्रक्षेपण पैड से सुबह 2.48 बजे उड़ान के 30 मिनट के बाद सैटेलाइट को प्रक्षेपित किया, पहले इस मिशन के तहत यूरोपीय सह-

यात्री एस्ट्रा 2एफ को कक्षा में स्थापित किया था। जीसैट 10 में 30 ट्रांसपोंडर (12 केयू बैंड, 12 सी बैंड और 6 एक्सटेंडेड सी बैंड) हैं जो इनसैट/जीसैट ट्रांसपोंडर क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी प्रदान कर रहा है। गगन पेलोड जीपीएस सिगनलों की बेहतर सटीकता प्रदान कर रहा है (सात मीटर से बेहतर नागरिक उड़ान आवश्यकताओं के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा उपयोग किया जा रहा है)। यह जीसैट-8 के बाद गगन पेलोड के साथ इनसैट /जीसैट नक्षत्र में दूसरा सैटेलाइट है जिसे मई 2011 में लॉन्च किया गया था।

जीसैट-30 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित एक दूरसंचार सैटेलाइट है।

सैटेलाइट का मुख्य संचार पेलोड भारतीय मुख्यभूमि व द्वीपों को कवर करने के लिए 12 केयू बैंड ट्रांसपोंडर और एशिया व ऑस्ट्रेलिया पर विस्तारित कवरेज के लिए 12 सी बैंड ट्रांसपोंडर है। सैटेलाइट ने इनसैट 4ए का स्थान लिया है। सैटेलाइट भारतीय उपमहाद्वीप को आधुनिक दूरसंचार सेवायें प्रदान कर रहा है। यह बहुत छोटे एपर्चर टर्मिनल (वीसैट) नेटवर्क,



subcontinent. It is used for Very-small-aperture terminal (VSAT) networks, television uplinks, digital satellite news gathering, Direct-broadcast satellite (DTH) services and other communication systems. This is the 41st communication satellite launched by ISRO and the 24th launch of ISRO satellite by Arianespace.

GSAT-30 satellite was launched aboard Ariane 5 launch vehicle (VA251) from French Guiana on 21:05 UTC, 16 January 2020 or 02:35 IST, 17 January 2020. After three orbit raising burns with cumulative duration of 2 hours 29 minutes,[9] GSAT-30 acquired station at 81° East on 25 January 2020.

CHINASAT 12 AT 87.5°E

ChinaSat 12 communications satellite is wholly owned by China Satellite Communications, with part of its communications payload leased or rented by SupremeSAT, a Sri Lankan company to be marketed to potential users as SupremeSAT-I. Once operational, it will provide communications services for the China, Sri Lanka, East Asia, South Asia, Middle East, Africa, Australia and China sea area, the Indian Ocean region.

ChinaSat 12 was also known as Apstar 7B (as a backup of Apstar 7), but acquired by China Satellite Communications from its subsidiary APT Satellite Holdings in 2010. However, APT Satellite Holdings was contracted by its parent company as the operator of ChinaSat 12.

Following launch on 27 November 2012, the satellite was placed into geosynchronous orbit and located at 51.5° East while being tested. On April 19, 2013, it started to move towards its operational location at 87.5° East.

The satellite was built by Thales Alenia Space and has a designed life of 15 years.

ST2 AT 88 DEG E

ST-2 is a telecommunications satellite made by Mitsubishi Electric. It was launched on May 20, 2011 atop an Ariane 5 ECA rocket from ESA's Guiana Space Centre in a dual-launch mission with GSAT-8. a ST-2 is a replacement for the ST-1 satellite. It is built around the DS2000 spacecraft bus. It is in geosynchronous orbit at 88 deg. East, and



टेलीविजन अपलिंकिंग, डिजिटल सैटेलाइट समाचार सभा, डॉयरेक्ट ब्रॉडकास्ट सैटेलाइट (डीटीएच) सेवाओं और अन्य संचार प्रणालियों के लिए उपयोग किया जाता है। यह इसरो द्वारा प्रक्षेपित 41 वां संचार सैटेलाइट है और एरियनस्पेस द्वारा इसरो के सैटेलाइट का 24 वां प्रक्षेपण है।

जीसैट 30 सैटेलाइट को एरियन 5 लॉन्च वाहन (VA251) पर फ्रेंच गुयाना से 21.05 यूटीसी 16 जनवरी 2020 या भारतीय समय के अनुसार 17 जनवरी 2020 को सुबह 2:35 मिनट पर लॉन्च किया गया। तीन आर्बिट बढ़ाने के लिए 2 घंटे 2 मिनट की संचयी अवधि लगी और 25 जनवरी 2020 को इसने 81 डिग्री पूर्व की स्थिति को काबिज किया।

87.5 डिग्री पूर्व पर चाइनासैट 12

चाइनासैट 12 संचार सैटेलाइट पूरी तरह से चीन सैटेलाइट कम्प्युनिकेशन्स के स्वामित्व में है। इसके संचार पेलोड के हिस्से को एक श्रीलंकाई कंपनी सुप्रीमसैट को किराये या पट्टे पर दिया गया जो कि सुप्रीमसैट-1 के रूप में संभावित उपयोगकर्ता के लिए मार्केटिंग कर रहा है। चालू होने के बाद यह चीन, श्रीलंका, पूर्वी एशिया, दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और चीन के समुद्री क्षेत्र और हिंद महासागर क्षेत्र के लिए संचार सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

चाइनासैट 12 को अपस्टार 7 बी (अपस्टार 7 के वैकअप के रूप में) के रूप में भी जाना जाता था लेकिन 2010 में अपनी सहायक कंपनी एपीटी होल्डिंग्स से चाइना सैटेलाइट कम्प्युनिकेशन्स द्वारा अधिग्रहित किया गया। 27 नवंबर 2012 को लॉन्च के बाद सैटेलाइट को भू समकालिक कक्षा में रखा गया और परीक्षण किये जाने के समय यह 51.5 डिग्री पूर्व में स्थित था। 19 अप्रैल 2013 को इसे 87.5 डिग्री पूर्व में अपने परिचालन स्थान पर स्थापित किया गया।

सैटेलाइट का निर्माण थैल्स एलेनिया स्पेस द्वारा किया गया था और इसकी संभावित जीवनअवधि 15 वर्षों की है।

88 डिग्री पूर्व पर एसटी2

एसटी-2 मित्सुबिशी द्वारा बनाया गया दूरसंचार सैटेलाइट है। इसे 20 मई 2011 को जीएसटी-8 के साथ दोहरे प्रक्षेपण मिशन में ईएसए के गुयाना स्पेस सेंटर से एरियन 5 ईसीए रॉकेट के साथ लॉन्च किया गया था, एसटी-2 ने एसटी-1 का स्थान लिया। इसे डीएस2000 अंतरिक्ष यान बस के आसपास बनाया गया है। यह 88 डिग्री पूर्व पर भू-समकालिक

is operated by the ST-2 Satellite Ventures joint company of Singapore Telecommunications (SingTel) and Chunghwa Telecom. It provides relay services over the Middle East, Central Asia, India and Southeast Asia.

MEASAT 3 / 3A AT 91.5 DEG E

MEASAT-3 is a Malaysian communications satellite which was successfully launched on 11 December 2006 from the Baikonur Cosmodrome in Kazakhstan.

In March 2003, MEASAT Satellite Systems Sdn. Bhd. of Malaysia ordered a Boeing 601HP satellite, giving it the designation MEASAT-3 at that time. MEASAT-3 joined the existing Boeing-built MEASAT-1 and MEASAT-2 spacecraft in the Malaysia-East Asia Satellite (MEASAT) system.

International Launch Services (ILS) was contracted as the launch provider. Boeing was specified to also provide an upgrade to the MEASAT ground facilities in Malaysia, as well as training and launch support services.

MEASAT-3 was by International Launch Services using a Proton-M rocket with a Briz-M upper stage. The upper stage made five burns to place MEASAT-3 into a geostationary transfer orbit. After circularisation and testing, the satellite entered commercial service on January 25, 2007, in geostationary orbit at a longitude of 91.5 degrees East where it is co-located with MEASAT-1. The C band and Ku band now covers geographically remote areas such as Sabah, Sarawak, and North India and expands the MEASAT fleet's coverage to more than 100 countries embracing Australia, Middle East, Eastern Europe and Africa.

GSAT 15/17 AT 93.5 DEG E

GSAT-15 is an Indian communication satellite similar to GSAT-10 to augment the capacity of transponders to provide more bandwidth for Direct-to-Home television and VSAT services. It was successfully launched on 10 November 2015 at 21:34:07 UTC aboard an Ariane 5 rocket, along with the ArabSat 6B satellite.

The satellite carries 24 Ku band transponders and a GAGAN navigational payload operating in the L1 and L5 bands. Besides that it will also carry 2 Ku band beacons.

GSAT-15 has an estimated lifespan of 12 years. It will

कक्षा में है और यह सिंगापुर दूरसंचार की एसटी-2 सैटेलाइट वेंचर्स संयुक्त कंपनी द्वारा संचालित है। यह मध्यपूर्व, मध्य एशिया, भारत व और दक्षिण पूर्व एशिया में रिले सेवायें प्रदान करता है।

91.5 डिग्री पूर्व पर मिआसेट 3/3ए

मिआसेट-3 एक मलेशियन संचार सैटेलाइट है जिसे कजाकिस्तान के बैकोनूर कोसमोड्रोम से 11 दिसंबर 2006 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था।

मार्च 2003 में मलेशिया के मिआसेट सैटेलाइट सिस्टम एसडीएन.वीएचडी. ने बोर्डिंग 601एचपी सैटेलाइट का आर्डर दिया था, जिसे कि उस समय मिआसेट-3 का नाम दिया गया। मिआसेट-3, मलेशिया ईस्ट एशिया सैटेलाइट (मिआसेट) प्रणाली में मौजूदा बोर्डिंग निर्मित मिआसेट-1 व मिआसेट-2 अंतरिक्षयान में शामिल हुआ। अंतरराष्ट्रीय लॉन्च सेवाओं (आई एलएस) को लॉन्च प्रदाता के रूप में अनुबंधित किया गया था। बोर्डिंग को मलेशिया में मिआसेट ग्राउंड



सुविधाओं के साथ-साथ प्रशिक्षण और लॉन्च समर्थन सेवाओं की सुविधा प्रदान करने के लिए निर्दिष्ट किया गया था।

मिआसेट-3 एक ब्रिज-एम अपर स्टेज के साथ प्रोटोन एम रॉकेट का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय लॉन्च सेवाओं के तहत अंतरिक्ष में स्थापित किया गया था। ऊपरी चरण ने मिआसेट-3 को भूस्थैतिक स्थानांतरण कक्षा में रखने के लिए पांच बर्न किये। सर्कुलेशन व टेस्टिंग के बाद सैटेलाइट ने 25 जनवरी 2007 को व्यवसायिक सेवा की शुरुआत की, जो कि भूस्थैतिक कक्षा में 91.5 डिग्री पूर्व के देशांतर पर है जहां यह मिआसेट-1 के साथ सह-स्थित है। सी बैंड व केयू बैंड अब भौगोलिक रूप से सुदूर क्षेत्रों जैसे सबा, सारावाक और उत्तर भारत को कवर करता है और ऑस्ट्रेलिया, मध्यपूर्व, पूर्वी यूरोप और अफ्रीका को अपनाने वाले 100 से अधिक देशों में मिआसेट वेड़े के कवरेज का विस्तार करता है।

93.5 डिग्री पूर्व पर जीसैट 15/17

जीसैट-15 एक भारतीय संचार सैटेलाइट है जो जीसैट-10 के समान है जो डायरेक्ट-टू-होम टेलीविजन और वीसैट सेवाओं के लिए अधिक बैंडविड्थ प्रदान करने के लिए ट्रांसपॉण्डर क्षमता को बढ़ाता है। इसे सफलतापूर्वक 10 नवंबर 2015 को 21:34:07 यूटीसी पर एरियन 5 रॉकेट के साथ अरबसैट-6वी सैटेलाइट के साथ लॉन्च किया गया था।

यह सैटेलाइट 24 केयू बैंड ट्रांसपॉण्डर और एक गगन नेविगेशनल पेलोड को एल 1 व एल 5 बैंड में संचालित करता है। इसके अलावा इसमें 2केयू बैंड बीकन भी हैं।

augment telecommunication, Direct-to-Home and radio navigation services.

GSAT-17 is an Indian communications satellite. Built by ISRO and operated by INSAT, it carries 24 C-band, 2 lower C-band, 12 upper C-band, 2 CxS (C-band up/S-band down), and 1 SxC (S-band up/C-band down) transponders. It additionally carries a dedicated transponder for data relay (DRT) and search-and-rescue (SAR) services. At the time of launch, GSAT-17 was the heaviest satellite built by ISRO.

The satellite was launched on 28 June 2017 aboard an Ariane 5 ECA rocket from the Guiana Space Centre in Kourou, French Guiana. GSAT-17 is the 21st satellite from ISRO to be launched by Arianespace

SES 8 / 9 AT 95 DEG

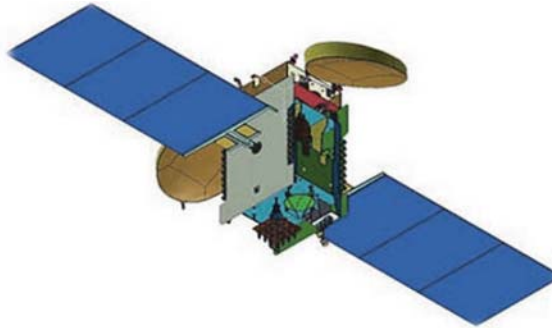
SES-8 was launched on December 3, 2013 from Cape Canaveral, Florida, on board a SpaceX/Falcon 9 booster in SpaceX's maiden launch into geostationary transfer orbit. Since then, extensive in-orbit tests have confirmed the flawless functioning of the spacecraft.

SES-8 was manufactured by Orbital Sciences Corporation. The satellite features up to 33 Ku-band transponders (36 MHz equivalent) and is equipped with high performance beams to support the rapidly growing markets in South Asia and Indo-China, as well as to provide expansion capacity for DTH, VSAT and government applications. Through the co-location with NSS-6 at 95 degrees East, SES-8 not only provides incremental high-performance capacity, notably for DTH services, but also delivers greater reliability and additional security for SES's customers at that orbital position.

SES-9 is a geostationary communications satellite operated by SES S.A. It was launched from Cape Canaveral SLC-40 by a Falcon 9 Full Thrust launch vehicle on 4 March 2016.

SES-9 has 57 high-power Ku-band transponders, equivalent to 81 transponders of 36 MHz bandwidth and,

जीसैट-15 की अनुमानित आयु 12 वर्ष है। यह दूरसंचार, डॉयरेक्ट टू होम और रेडियो नेविगेशन सेवाओं में बढ़ोतरी करेगा।



जीसैट-17 एक भारतीय संचार सैटेलाइट है। इसरो द्वारा निर्मित और इनसैट द्वारा संचालित यह 24 सी बैंड, 2 लोअर सी बैंड, 12 अपर सी बैंड, 2 सीएक्सएस (सी बैंड अप/एस बैंड डाउन) और 1 एसएक्ससी (एस बैंड अप/सी बैंड डाउन) ट्रांसपॉंडर वहन करता है। इसके अलावा यह डेटा रिले (डीआरटी) और खोज-व-बचाव (एसएआर) सेवाओं के लिए एक समर्पित ट्रांसपॉंडर भी प्रस्तुत

करता है। लॉन्च के समय जीसैट-17 इसरो द्वारा बनाया गया सबसे भारी सैटेलाइट था। सैटेलाइट को 28 जून 2017 को फ्रेंच गुयाना के कौरौ में गुयाना स्पेस सेंटर में एरियन 5 ईसीए रॉकेट की सहायता से लॉन्च किया गया था। जीसैट-17 एरियनस्पेस द्वारा प्रक्षेपित किया जाने वाला इसरो का 21 वां सैटेलाइट था।

95 डिग्री पूर्व पर एसईएस 8/9

एसईएस 8 को 3 दिसंबर 2013 को केप कैनेवरल, फ्लोरिडा से लॉन्च किया गया था, जो स्पेसएक्स के फर्स्ट 9 लॉन्च में स्पेसएक्स/फाल्कन 9 बूस्टर में जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑर्बिट में लॉन्च किया गया था। तब से व्यापक ऑर्बिट परीक्षणों ने अंतरिक्ष यान के निर्दोष कामकाज की पुष्टि की है।



एसईएस 8 का निर्माण ऑर्बिटल साइंसेज कॉरपोरेशन द्वारा किया गया था। सैटेलाइट में 33 केयू बैंड ट्रांसपॉंडर (36 मेगाहर्ट्ज के बराबर) उपलब्ध है और यह दक्षिण एशिया व भारत-चीन में तेजी से बढ़ते बाजारों के साथ-साथ डीटीएच, वीसैट और सरकारी आवेदनों के लिए विस्तार क्षमता प्रदान करने के लिए उच्च

प्रदर्शन वाले बीम से लैस है।

95 डिग्री पूर्व में एनएसएस-6 के साथ सह-स्थान के माध्यम से एसईएस 8 न केवल डीटीएच सेवाओं के लिए वृद्धिशील उच्च प्रदर्शन क्षमता प्रदान करता है बल्कि उस कक्षीय स्थिति में एसईएस के ग्राहकों के लिए अधिक विश्वनीयता और अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है।

एसईएस 9, एसईएस एसए द्वारा संचालित एक भूस्थिर संचार सैटेलाइट है। इसे केप कैनेवरल एसएलसी-40 से फाल्कन 9 फुल थ्रस्ट प्रक्षेपण यान की सहायता से 4 मार्च 2016 को लॉन्च किया गया था।

एसईएस 9 में 57 उच्च शक्ति केयू बैंड ट्रांसपॉंडर हैं, जो 36 मेगाहर्ट्ज बैंडविड्थ के 81 ट्रांसपॉंडर के बराबर है और एसईएस-7 के

co-located at 108.2°E alongside SES-7, it provides additional and replacement capacity for DTH broadcasting and data in Northeast Asia, South Asia and Indonesia, and maritime communications for the Indian Ocean.

ASIASAT 5, 7 / THAI COM 6A AT 100.5 DEG E

Space Systems/Loral (SS/L), announced in May 2005 that it has been chosen by Asia Satellite Telecommunications Company Limited (AsiaSat), Hong Kong, to build AsiaSat 5, a new generation communications satellite designed to offer improved power and coverage to AsiaSat's customers across the Asia Pacific region.

AsiaSat 5, a fixed satellite services (FSS) spacecraft expected to launch in 2008, will replace and expand upon the services provided by AsiaSat 2 at 100.5 degrees East longitude. The satellite will be based on SS/L's SSL-1300 platform, which features qualified, flight proven subsystems and a long record of reliable operation.

The satellite's payload will carry both C- and Ku-band transponders and has a 15-year mission life. AsiaSat 5 will be compatible with a range of commercial launch vehicles.

Space Systems/Loral and AsiaSat announced in May 2009, that it has been selected to provide a new communications satellite, named AsiaSat 5C, to Asia Satellite Telecommunications Company Limited (AsiaSat). In early 2010, the Satellite was renamed AsiaSat 7. It will serve as a backup for AsiaSat 5.

The spacecraft is based on Space Systems/Loral's SSL-1300 satellite bus, with performance similar but not limited to that of AsiaSat5 designed for the provision of fixed satellite services for television broadcast, telephone networks, and VSAT networks for broadband multimedia services across the Asia Pacific.

AsiaSat 7 will be used as a placeholder for Thaicom under the name Thaicom 6A until the Thaicom 6 satellite has been launched.

AsiaSat 7 was launched by ILS Proton Breeze M vehicle from Baikonur, Kazakhstan on 26 November 2011. It is designed as a replacement satellite for AsiaSat 3S at the orbital location of 105.5 degrees East. AsiaSat 7, a



साथ 108.2 डिग्री पूर्व में सह स्थित है, यह पूर्वोत्तर एशिया, दक्षिण एशिया व इंडोनेशिया में डीटीएच प्रसारण और डेटा के लिए अतिरिक्त और प्रतिस्थापन क्षमता प्रदान करने के साथ-साथ हिंद महासागर के लिए समुद्री संचार प्रदान करता है।

100 डिग्री पूर्व पर एशियासेट 5, 7/थाईकॉम 6ए

स्पेस सिस्टम/लोरल (एसएस/एल) ने मई 2005 में घोषणा की कि इसे एशिया सैटेलाइट टेलीकम्युनिकेशन्स कंपनी लिमिटेड (एशियासेट) हांगकांग से एशियासेट 5 के लिए चुना गया है जो कि एक नयी पीढ़ी का संचार सैटेलाइट है जिसे एशिया प्रशांत क्षेत्र में एशियासेट ग्राहकों को बेहतर शक्ति और कवरेज प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

एशियासेट 5, एक निश्चित सैटेलाइट सेवा (एफएसएस) स्पेसक्रॉफ्ट को 2008 में लॉन्च किया गया था, जिसने एशियासेट-2 द्वारा प्रदान की गयी सेवाओं को 100.5 डिग्री पूर्वी देशांतर पर प्रतिस्थापित व विस्तारित किया। सैटेलाइट एसएस/एल के एसएसएल-1300 प्लेटफॉर्म पर आधारित है जिसके पास योग्यता, उड़ान सिद्ध सब सिस्टम और विश्वनीय संचालन का लंबा रिकॉर्ड है।

सैटेलाइट का पेलोड सी और केयू बैंड ट्रांसपोंडर उपलब्ध करा रहा है और इस सैटेलाइट का जीवनकाल 15 वर्ष का है। एशियासेट 5 वाणिज्यिक लॉन्च वाहनों की एक श्रृंखला के साथ संगत है।

स्पेस सिस्टम/लोरल और एशियासेट ने 2009 में घोषणा की कि एशिया सैटेलाइट टेलीकम्युनिकेशन्स कंपनी लिमिटेड (एशियासेट) हांगकांग से एशियासेट 5सी नाम से एक नया संचार सैटेलाइट प्रदान करने के लिए चुना गया है। 2010 की शुरुआत में सैटेलाइट का नाम बदलकर एशियासेट 7 कर दिया गया। यह एशियासेट 5 के लिए बैकअप के रूप में काम कर रहा है।

अंतरिक्षयान स्पेस सिस्टम/लोरल के एसएसएल 1300 सैटेलाइट बस पर आधारित है जिसका प्रदर्शन एशियासेट 5 के समान सीमित नहीं है, जो पूरे एशिया प्रशांत क्षेत्र में बॉडबैंड मल्टीमीडिया सेवाओं के लिए टेलीविजन प्रसारण, टेलीफोन नेटवर्क व वीसैट नेटवर्क के लिए निश्चित सैटेलाइट सेवाओं के प्रावधान के लिए बनाया गया है।

एशियासेट 7 को थाईकॉम 6 ए के नाम के तहत थाईकॉम के लिए प्लेसहोल्डर के रूप में तब तक इस्तेमाल किया गया जब तक कि थाईकॉम 6 सैटेलाइट को लॉन्च नहीं किया गया। एशियासेट 7 को 26 नवंबर 2011 को कजाकिस्तान के बैकोनूर से आईएलएस प्रोटोन ब्रीज एम वाहन द्वारा लॉन्च किया गया था। इसे 105.5 डिग्री पूर्व के कक्षीय स्थान पर

Space Systems Loral 1300 series satellite, carries 28 C-band and 17 Ku-band transponders, and a Ka-band payload. With its region-wide C-band footprint covering Asia, the Middle East, Australasia and Central Asia, and high-power Ku beams serving East Asia, South Asia, the Philippines, as well as a steerable Ku beam, AsiaSat 7 supports a broad range of applications including TV broadcast, VSAT networks and mobility services across the region.

SES 7 / NSS 11 AT 108.2 DEG EAST

SES-7 (also formerly known as ProtoStar-2/Indostar-2) is a commercial communications satellite operated by SES World Skies, Launched on 16 May 2009 at 00:57:38 UTC, since Baikonur Cosmodrome, Site 200/39 for ProtoStar Ltd by Proton-M / Briz-M launch vehicle. Launch arranged by International Launch Services (ILS).



It is positioned at 108.2° East longitude and serve customers in Indonesia, India, Taiwan, the Philippines and Southeast Asia. Protostar 2 carries 10 (+3) S-band and 22 (+5) Ku-band transponders for optimized HD satellite television direct-to-home (DTH) satellite television service and broadband Internet access across the Asia-Pacific region. The S-band payload is operated under the name of Indostar-2 (Cakrawarta-2).

ASIASAT 9 AT 122.2 DEG E

AsiaSat 9 is AsiaSat's next generation satellite, successfully launched on 29 September 2017 from Baikonur, Kazakhstan replacing AsiaSat 4 at 122 degrees East Longitude. AsiaSat 9 is a Space Systems Loral 1300 satellite equipped with 28 C-band and 32 Ku-band transponders, and a Ka-band payload. AsiaSat 9 provides additional capacity, enhanced power and coverage for DTH, video distribution, private networks and broadband services across the Asia-Pacific region. ■



एशियासेट 3एस के प्रतिस्थापन सैटेलाइट के रूप में डिजाइन किया गया है। स्पेस सिस्टम लोरल 1300 श्रृंखला के सैटेलाइट एशियासेट 7 में 28 सी बैंड और 17 केयू बैंड ट्रांसपॉण्डर और एक का बैंड का पेलोड है। एशिया, मध्यपूर्व, ऑस्ट्रेलिया और मध्य एशिया को कवर करने वाले अपने क्षेत्रव्यापी सी बैंड फुटप्रिंट और पूर्वी एशिया, दक्षिण एशिया, फिलीपींस के साथ-साथ उच्च शक्ति केयू बीम के साथ-साथ स्टीयरबल क्यू बीम के साथ एशियासेट 7 पूरे क्षेत्र में टीवी प्रसारण, वी सैट नेटवर्क और गतिशील सेवाओं सहित आवेदनों की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करती है।

108.2 डिग्री पूर्व पर एसईएस 7/एनएसएस 11

एसईएस 7 (जिसे पूर्व में प्रोटोस्टार-2/इंडोस्टार-2 के नाम से भी जाना जाता है) एसईएस वर्ल्ड स्काईज द्वारा संचालित एक व्यवसायिक संचार सैटेलाइट है जिसे 16 मई 2009 को 00:57:38 यूटीसी पर लॉन्च किया गया, जब से बैकानुर कोसमोड्रोम, प्रोटोस्टार के लिए साइट 200/39 लिमिटेड प्रोटॉन एम/ब्रिज एम वाहन द्वारा लॉन्च किया गया। इसे इंटरनेशनल लॉन्च सर्विसेज (आईएलएस) द्वारा

लॉन्च किया गया। यह 108.2 डिग्री देशांतर पर स्थित है और इंडोनेशिया, भारत, ताइवान, फिलीपींस और दक्षिण पूर्व एशिया में ग्राहकों की सेवा करता है। प्रोटोस्टार-2 में 10 (+3) एस बैंड, और 22 (+5) के यू बैंड ट्रांसपॉण्डर अनुकूलित के लिए एचडी सैटेलाइट टेलीविजन डॉयरेक्ट टू होम (डीटीएच) सैटेलाइट टेलीविजन सेवा और एशिया प्रशांत क्षेत्र में ब्रॉडबैंड इंटरनेट एक्सेस है।

एस बैंड पेलोड इंडोस्टार-2 (केकरावर्त-2) के नाम से संचालित है।

122.2 डिग्री पूर्व पर एशियासेट 9

एशियासेट 9, एशियासेट की अगली पीढ़ी का सैटेलाइट है जिसे 29 सितंबर 2017 को बैकानुर, कजाकिस्तान से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था, यह 122 डिग्री पूर्व देशांतर पर एशियासेट-4 का स्थान लेगा। एशियासेट 9 एक स्पेस सिस्टम लोरल 1300 सैटेलाइट है जो 28 सी बैंड और 32 केयू बैंड ट्रांसपॉण्डर और का बैंड पेलोड से लैस है। एशियासेट 9 एशियाप्रशांत क्षेत्र में डीटीएच, वीडियो वितरण, निजी नेटवर्क और ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए अतिरिक्त क्षमता, बढ़ी हुई शक्ति और कवरेज प्रदान करता है। ■